

राजधानी रांची में प्री मॉनसून ने गर्मी से दी राहत तो नगर निगम के कार्यों की भी खोल दी पोल



राजधानी के कई गली-मुहल्लों और सड़कों पर भारी जलजमाव

हाइकोर्ट में हाजिर हुए पेयजल सचिव और नगर आयुक्त, अगली सुनवाई में नगर विकास सचिव को बुलाया

शहर में पीने के पानी में गंदगी पर हाइकोर्ट से पहले विभाग का ध्यान क्यों नहीं जाता?

खबर मन्त्र संवाददाता



रांची। रांची के जलश्रोतों के संरक्षण और रांची के नील डैमों की साफ-सफाई और अतिक्रमण मुक्त करने की मार्ग को लेकर दावर जननित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान बुधवार के आदेश के आलोक में पेयजल विभाग के सचिव और रांची नगर निगम के नगर आयुक्त कोर्ट के समस्त उपस्थित होते।

अदालत ने उनसे पूछा कि शहर में पानी के पानी में गंदगी पर हाईकोर्ट से पहले विभाग का ध्यान नहीं जाता? कोर्ट के संज्ञान के बाद ही विभाग क्यों जागा? इसके साथ ही अदालत ने दोनों अधिकारियों को फटकार लगाते हुए अगली सुनवाई

कोर्ट ने गुरुवार को नगर आयुक्त और पेयजल विभाग के सचिव से पूछा कि बड़ा तालाब में नल से गंद पानी के सपाई होने पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने मौखिक कहा है कि राजधानी रांची के लाग कब तक प्रदूषण पानी हवा की परेशानीयां झोलते रहेंगे। लगता है कि राज्य में अगली सुनवाई में नगर विकास विभाग के नियंत्रण बोर्ड नाम की कोई वीज नहीं है। कोर्ट ने मौखिक कहा है कि सरकार की ओर से शपथ पर दाखिल कर राजधानी विभागियोंको रखते रहेंगे एवं गर्मी जैसे सोसाइटी की ओर से जननित याचिका दाखिल की है। सिविल सोसाइटी की ओर से हाईकोर्ट की अधिकारियोंने अदालत को बताया कि इसके लिए कई एजेंसियों से विचार करिए जिसके बाद अदालत को बुलाया जाए।

उपायुक्त ने भू-राजस्व मामलों की समीक्षा की लंबित मामलों का जल्द निष्पादन का निर्देश



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय में भू-राजस्व मामलों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में भूमि सीमांकन, लंबित दाखिल खारिज, लंबित प्रमाण पत्र के मामले, भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के विभिन्न एजेंसियों को भूमि हस्तांतरण के संबंध में अद्यतन रिस्तियां की गई। डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि भूमि का सीमांकन, दाखिल खारिज, रैयती जमीन पर लगान लगाकर सरकारी खजाने में लगान जमा कराएं। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण न हो। इसके लिए इसे सहेज कर रखना है, जितना भी भू-हस्तांतरण भारत सरकार या राज्य सरकार की योजनाओं में कराना है, उसका भू-हस्तांतरण कराएं। डीसी ने लंबित दाखिल खारिज (लंबित 30 दिन बिना आपत्ति एवं लंबित 90 दिन आपत्ति) एवं भूमि सीमांकन के मामलों की सघन समीक्षा की। उहाँने कार्य निष्पादन पर असंबंधित व्यक्त करते हुए संबंधित अंचल अधिकारियों को जल्द से जल्द लंबित दाखिल खारिज, भूमि सीमांकन के मामले

राजस्व पदाधिकारियों के

न्यायालयों की भी समीक्षा : विभिन्न सरकार के राजस्व पदाधिकारियों के न्यायालयों की समीक्षा, ई कोर्ट के संबंध में अद्यतन रिस्ति की समीक्षा में नियमित रूप से कोर्ट की कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उहाँने कहा कि पुराने बाद में नकल लेने वालों को क्रमबद्ध नकल देने का निष्पादन करें। उहाँने आपदा से संबंधित भुगतान का प्रस्ताव भेजें का निर्देश दिया ताकि बापदा संबंधी भुगतान तुरंत किया जा सके। बैठक में अपर समात्ता रंगी राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंदू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुरील चंद, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन के आदेश के बाद पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को पहाड़ी मंदिर का नियन्त्रण किया एवं राँची पहाड़ी मंदिर विकास समिति के सचिव राकेश सिंह, राजेश साहू, बाल लंबित संह एवं सभी सदस्यों के साथ बैठक की। मौके पर पर्यटन पदाधिकारी शिवेन्द्र सिंह, जिला पर्यटन विशेषज्ञ रोशन कुमार एवं प्रिंसिपल आकिंटेक एवं अर्बन प्लानर गौतम कुमार मोदी ने पहाड़ी मंदिर का सर्वे के बाद अधिकारियों ने बताया कि बहुत जल्द पाहाड़ी मंदिर का परिसर और खेल संरक्षण के लिए आपाशाला, पहाड़ी कार्पोरेशन एवं यात्री सुविधाएं के लिए आपाशाला, पहाड़ी कार्पोरेशन एवं युवा योगी को नियन्त्रण किया जा सके। बैठक में अपर समात्ता रंगी राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंदू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुरील चंद, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंदालाय में अधिकारियों को उपस्थिति में करने की आदेश की गई। डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि इन मामलों की नियादी जारी करें। तब तक जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया जाता है। उहाँने कहा कि इन मामलों में चल रही हैं, उसे पार रखने के लिए लंगान के बाद अपाशाला, अनुमंडल पदाधिकारी अवधीन एवं अपर समात्ता रंगी राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंदू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुरील चंद, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंदालाय में अधिकारियों को उपस्थिति में करने की आदेश की गई। डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि इन मामलों की नियादी जारी करें। तब तक जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया जाता है। उहाँने कहा कि इन मामलों में चल रही हैं, उसे पार रखने के लिए लंगान के बाद अपाशाला, अनुमंडल पदाधिकारी अवधीन एवं अपर समात्ता रंगी राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंदू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुरील चंद, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंदालाय में अधिकारियों को उपस्थिति में करने की आदेश की गई। डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि इन मामलों की नियादी जारी करें। तब तक जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया जाता है। उहाँने कहा कि इन मामलों में चल रही हैं, उसे पार रखने के लिए लंगान के बाद अपाशाला, अनुमंडल पदाधिकारी अवधीन एवं अपर समात्ता रंगी राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंदू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुरील चंद, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंदालाय में अधिकारियों को उपस्थिति में करने की आदेश की गई। डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि इन मामलों की नियादी जारी करें। तब तक जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया जाता है। उहाँने कहा कि इन मामलों में चल रही हैं, उसे पार रखने के लिए लंगान के बाद अपाशाला, अनुमंडल पदाधिकारी अवधीन एवं अपर समात्ता रंगी राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंदू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुरील चंद, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंदालाय में अधिकारियों को उपस्थिति में करने की आदेश की गई। डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि इन मामलों की नियादी जारी करें। तब तक जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया जाता है। उहाँने कहा कि इन मामलों में चल रही हैं, उसे पार रखने के लिए लंगान के बाद अपाशाला, अनुमंडल पदाधिकारी अवधीन एवं अपर समात्ता रंगी राम नारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी, एलआरडीसी रांची मुकेश कुमार, एलआरडीसी बुंदू, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुरील चंद, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार एवं सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंदालाय में अधिकारियों को उपस्थिति में करने की आदेश की गई। डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि इन मामलों की नियादी जारी करें। तब तक जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया जाता है। उहाँने कहा कि इन मामलों में चल रही ह

स्पीड न्यूज़

खाताधारियों ने पोस्ट ऑफिस में जड़ा ताला



हरिहरगंज पलामू। शहरी क्षेत्र स्थित पोस्ट ऑफिस में जड़ा ताला
जयप्रकाश सहित कई लोगों ने ताल बढ़ कर प्रदर्शन किया। पलामू हो कि जयप्रकाश का पोस्ट ऑफिस में रेकरिंग खता है। जिसके भूतान के लिए वह पिछले चार वर्षों से प्रभावित है। परन्तु अँगलाइन लेजर तथा पासबुक की राशि एक समान नहीं रहने से भुगतान नहीं हो पा रहा है। पोस्ट ऑफिस में ताल बढ़ की सूचना मिलने पर पुलिस सब ईस्पर्टर सतीश गुप्ता दबल के साथ आकर ताला खुलवाये। उधर डाक्याल बिरेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त खतों की राशि भूतान के लिए प्रधान डाकघर से आग्रह किया गया है। उधर पुलिस निरीक्षक सह नाम प्रभारी छद्म कुमार ने बताया कि उधर डाक्याल ने थाना में लिखित शिकायत की है। मामले की छानबीन की जा रही है।

सर्वेश्वरी समूह ने बांटे फल व सामग्री



विश्रामपुर (पलामू)। सर्वेश्वरी समूह की विश्रामपुर शाखा ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इनाजरत मरीजों के बीच फल, पानी बोलत और हस्त पंखा का वितरण किया। इसके अलावा अयुआमन वार्ड में भर्ती मरीजों को भी फल और खाद्य सामग्री दी। मरीजों के बीच वितरण विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय ने किया। शाखा मंत्री नानोद्देश पांडेय ने बताया कि श्री सर्वेश्वरी समूह का 19 सूची कार्यक्रम के तहत मरीजों के बीच फल पानी और पंखा का विश्रामपुर शाखा का वितरण करता है। समूह सामन रेस्ट के लिए हमेशा कार्य करता रहा है। मोपेर चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र कुमार, डॉ एम एन प्रापाद, डॉ अरविंद कुमार, आश्रम के सदस्य विनय पांडेय, दिलीप चंद्रवर्षी, राजू पांडेय, डॉ अनुषु कुमार, अभय चंद्रवर्षी, विनोद तिवारी, बंदन चंद्रवर्षी सहित कई लोग मौजूद थे।

खूंटीसोत नदी धाट पर शमशान थोड़ा और बृहत्तरा शीघ्र बनवाने की मांग

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर नगर परिषद अंतर्गत वार्ड 16 रिश्त खुटिसोत नदी के शमशान धाट पर शेष और चार रस्ते सहित एक बृहत्तरा सम्बंधित निर्माण करने की मांग निर्वासन पार्श्व पूनम देवी ने किया है। इस संबंध में उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी दानिस हुसैन को एक ज्ञानी भी सीधा है। ज्ञानी में पूनम देवी ने कहा है कि शेष नहीं होने के कारण हर मौसम में दाह सरकार करने में आम लोगों का परेशानी का समान करना पड़ता है। उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन से आग्रह किया है कि जनभवन का खाल रखते हुए इस सर्वजनिक कार्य को यथास्थि रक्खा रखाया जाये।

सीओ ने ओवरलॉड गिटी लाव ट्रैक्टर पकड़ा

दुसैनाबाद पलामू। सीओ पंकज कुमार ने एक गिटी लाव ओवरलॉड ट्रैक्टर को बुधवार की रात पकड़कर हुसैनाबाद पलामू में लगा दिया। जिला खनन पदाधिकारी को अग्रवर कार्यालय होते हुए प्रेषित कर दिया, हालांकि पिछले दिनों एसटीआई प्रियो सिन्हा ने शांति समिति की बैठक सभी अधिकारियों उन्होंने एनजीटी निमित उल्लंघन करने वाले गाड़ियों को किसी भी सुरक्षा से बर्तावी दी थी। इधर सीओ ने पूर्व से ऐसे मामले में लगातार कार्यालय की है। उन्होंने बीते महीनों में कई वाहनों को जब्त और बालू भारण को गिटी में मिला दिया है। सीओ ने बुधवार की रात्रि में ओवरलॉड गिटी लाव ट्रैक्टर को जब्त किया है।

1984 के पीड़ितों को इंसाफ दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे: सतनाम सिंह गंभीर

मेदिनीनगर। झारखंड उच्च न्यायालय ने अधिकार दिवाकर उपाध्याय के माध्यम से याविकारकी सतनाम सिंह गंभीर को निर्देश दिया था कि वह

जिलावाद बातों के लिए पीड़ितों को मुआवजा नहीं मिला है। कार्ट ने मुआवजा नहीं मिलने वाले पीड़ितों की सूची को प्रस्तुत करने की निर्देश प्राप्ती सतनाम सिंह गंभीर को दिया था। सतनाम सिंह गंभीर ने झारखंड के हर जिले में जाकर 1984 के पीड़ित परिवारों को इंसाफ दिलाने की पैरी कर रहे हैं। आज औल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के पूर्णी भारत अध्यक्ष व याविकारकी सतनाम सिंह गंभीर और डाल्टनगंज के पीड़ित परिवारों की पैरी कर रहे हैं। इन्होंने जिले के लिए प्रयोगरत हैं। वहीं अचानक अहं अंधीकी की रूपांतरण के लिए लगातार झारखंड का दोरा कर रहे थे सतनाम सिंह गंभीर ने कहा कि ने दोगे के 40 वर्ष बाद भी इंसाफ न मिलना काफी पीड़ित परिवार को हृत करता है। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष अतिम पीड़ित परिवार को इंसाफ मिलने तक जारी रहेगा। इस दौरान समाजसेवी रूपेश शर्मा जीजूद थे।

पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया के 34 लोग पीड़ित पाये गये : सीएस

मेदिनीनगर। पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया की जांच स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल, कॉलेज व छात्रावास के बच्चों की जांच तीव्र गति से की जा रही है।

सिक्कल सेल एनीमिया के लोगों के रक्त की जांच की जाती है कि कहाँ ये सिक्कल सेल से पीड़ित पाये गये हैं। जिससे लाल रक्त कोशिकाएं अर्द्ध चढ़ाकार या हस्तिया का आकार की होती है। आर्बीसी पदस्थित होने से पहले 120 दिनों तक जीवित रहती है लेकिन सिक्कल सेल आर्बीसी के लिए 15 से 20 दिनों तक जीवित होती है। इसके बाद के लिए जब लड़का लड़की की शादी अभिवाहन करते हैं तो उससे पहले सिक्कल सेल एनीमिया की जांच करा लें ताकि उससे उत्पन्न बच्चों को सिक्कल सेल एनीमिया से बचाया जा सके।

पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया के 34 लोग पीड़ित पाये गये : सीएस

मेदिनीनगर। पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया की जांच स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल, कॉलेज व छात्रावास के बच्चों की जांच तीव्र गति से की जा रही है।

सिक्कल सेल एनीमिया के लोगों के रक्त की जांच की जाती है कि कहाँ ये सिक्कल सेल से पीड़ित पाये गये हैं। जिससे लाल रक्त कोशिकाएं अर्द्ध चढ़ाकार या हस्तिया का आकार की होती है। आर्बीसी पदस्थित होने से पहले 120 दिनों तक जीवित रहती है लेकिन सिक्कल सेल आर्बीसी के लिए 15 से 20 दिनों तक जीवित होती है। इसके बाद के लिए जब लड़का लड़की की शादी अभिवाहन करते हैं तो उससे पहले सिक्कल सेल एनीमिया की जांच करा लें ताकि उससे उत्पन्न बच्चों को सिक्कल सेल एनीमिया से बचाया जा सके।

पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया के 34 लोग पीड़ित पाये गये : सीएस

मेदिनीनगर। पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया की जांच स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल, कॉलेज व छात्रावास के बच्चों की जांच तीव्र गति से की जा रही है।

सिक्कल सेल एनीमिया के लोगों के रक्त की जांच की जाती है कि कहाँ ये सिक्कल सेल से पीड़ित पाये गये हैं। जिससे लाल रक्त कोशिकाएं अर्द्ध चढ़ाकार या हस्तिया का आकार की होती है। आर्बीसी पदस्थित होने से पहले 120 दिनों तक जीवित रहती है लेकिन सिक्कल सेल आर्बीसी के लिए 15 से 20 दिनों तक जीवित होती है। इसके बाद के लिए जब लड़का लड़की की शादी अभिवाहन करते हैं तो उससे पहले सिक्कल सेल एनीमिया की जांच करा लें ताकि उससे उत्पन्न बच्चों को सिक्कल सेल एनीमिया से बचाया जा सके।

पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया के 34 लोग पीड़ित पाये गये : सीएस

मेदिनीनगर। पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया की जांच स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल, कॉलेज व छात्रावास के बच्चों की जांच तीव्र गति से की जा रही है।

सिक्कल सेल एनीमिया के लोगों के रक्त की जांच की जाती है कि कहाँ ये सिक्कल सेल से पीड़ित पाये गये हैं। जिससे लाल रक्त कोशिकाएं अर्द्ध चढ़ाकार या हस्तिया का आकार की होती है। आर्बीसी पदस्थित होने से पहले 120 दिनों तक जीवित रहती है लेकिन सिक्कल सेल आर्बीसी के लिए 15 से 20 दिनों तक जीवित होती है। इसके बाद के लिए जब लड़का लड़की की शादी अभिवाहन करते हैं तो उससे पहले सिक्कल सेल एनीमिया की जांच करा लें ताकि उससे उत्पन्न बच्चों को सिक्कल सेल एनीमिया से बचाया जा सके।

पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया के 34 लोग पीड़ित पाये गये : सीएस

मेदिनीनगर। पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया की जांच स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल, कॉलेज व छात्रावास के बच्चों की जांच तीव्र गति से की जा रही है।

सिक्कल सेल एनीमिया के लोगों के रक्त की जांच की जाती है कि कहाँ ये सिक्कल सेल से पीड़ित पाये गये हैं। जिससे लाल रक्त कोशिकाएं अर्द्ध चढ़ाकार या हस्तिया का आकार की होती है। आर्बीसी पदस्थित होने से पहले 120 दिनों तक जीवित रहती है लेकिन सिक्कल सेल आर्बीसी के लिए 15 से 20 दिनों तक जीवित होती है। इसके बाद के लिए जब लड़का लड़की की शादी अभिवाहन करते हैं तो उससे पहले सिक्कल सेल एनीमिया की जांच करा लें ताकि उससे उत्पन्न बच्चों को सिक्कल सेल एनीमिया से बचाया जा सके।

पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया के 34 लोग पीड़ित पाये गये : सीएस

मेदिनीनगर। पलामू जिले में सिक्कल सेल एनीमिया की जांच स

स्पैड न्यूज़

रायडीह प्रखंड में आयोजित आम उत्सव

सह बागवानी मेला में शामिल हुए डीसी

रायडीह उपर्युक्त कर्ण सत्यार्थी

गुरुवार को रायडीह स्थित

प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान

प्रखंड परिसर में

विरसा हरीगंगा ग्राम योजन अंतर्गत प्रखंड स्तर पर आम उत्सव

सह बागवानी मेला का आयोजित किया गया था। उक्त मेले में

विभिन्न प्रवान्यों के लिए जायजा ने अनेक बातों के आम का स्टॉल

लगाया एवं मेले में आई खरीदारों के बीच आम की बिक्री की।

इस मेले में लगाया 10 से अधिक स्टॉल लगाया गया था। इसी बीच

उपर्युक्त कर्ण सत्यार्थी ने उक्त मेले का जायजा लिया। उन्हें सभी

स्टॉल्स को देखा एवं विक्रीओं से मुलाकात की। इस दौरान उपर्युक्त ने भी वहां से आम की खरीदारी की। इसके

पश्चात उपर्युक्त ने प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थित शिव कानून

प्रखंड उपर्युक्त ने प्रखंड कार्यालय परिसर का एवं आमायण का

पंजीयन भी देखी। इस दौरान डीसी सहित अन्य कर्मी भी मौजूद थे।

19 पुरिया बाउन शुगर के साथ तीन

युवक गिरफ्तार, गये जेल

गुमला। गुमला पुलिस

ने 19 पुरिया ब्राउन शुगर के साथ तीन

युवकों को अपराध कर गुरुवार को जेल

भेज दिया। ब्राउन शुगर

की कीमत 20 हजार रुपये आया कि जहां है। गिरफ्तार युवक

ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते हैं। गिरफ्तार युवकों में शहर

के सरना टोली शम्पाला घाट रोड निवासी गुरुवार साहू, उर्फ ताज

और फुलादर टोली निवासी अमित गोपनीय गोप

गुरुवार को एसटीपीओ सुप्री शुगर शाहदर में देता था कि गुरुवार

अधीक्षक गुरुवार को गुप्त सुनवा मिली थी कि कुछ युवक फुलादर

टोली में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते हैं।

युवकों के निवास पर एक टाम का जायजा लिया। युवकों की शम्पाला

घाट से एक पुलादर टोली स्थित अमित गोप

के घर पहुंच कर छापामारी किया। जहां पर तीन युवक मिले।

जिनकी तलाशी लेने पर कीमत 3.80 ग्राम ब्राउन शुगर बामद

किया गया। पुलादर के घर में युवकों ने बताया कि एक पुरुषों का

ही ब्राउन शुगर देते हैं। तीनों युवकों को जेल भेज दिया गया।

वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग घायल

घायरा। घायरा थाना क्षेत्र के

टोलीपी के समीप गुरुवार

को प्रत: साठ 8 बजे सुडक

निवारे अंतर्गत वाहन की

चपेट में आने से एक तुरुर्ग

घायरा हो गया।

दुर्घटना के बाद घायरा सुडक किनारे तड़पता रहा। इस क्रम में

कप्रेश के प्रदेश महासचिव शिवकुमार भगत उर्फ दुर्घटना घायरा

से गुमला जा रहे थे। सुडक किनारे पर हुआ बुजुर्ग घायरा

को देखा। इसके बाद उन्होंने वाहन रोका। 108 एम्यूलेस

को लैटर कर वाहन बुजुर्ग घायरा

के बाहर भेज दिया। जहां पर विकासकर्त्ता द्वारा उपर्युक्त प्राथमिक

उपचार किया गया। उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।

आजसू स्थापना दिवस को बलिदान दिवस

के रूप में मनायेगा : बोनीफास कुजर

वैनपुर। जेन्स के लिए

जायजा देने वाले अंतर्गत

स्थापना के लिए

संघर्ष सहित था।

जिले में सपनों की उड़ान नामक साइन्स

ओलीपियार्ड का आयोजन 26 जून को

गुमला। सिंचा के प्रधान योग्य अंतर्गत कर्ण सत्यार्थी उत्तरकृष्णमीति विद्यालय के

छात्र-छात्राओं के लिए साइन्स ओलीपियार्ड के आयोजन का

निर्णय लिया गया। उसने की उड़ान नामक इस साइन्स

ओलीपियार्ड का आयोजन 26 जून 2024 को किया जाया।

जिसमें जिला प्रशान्तिकरण स्थित तीन मुख्यमीति उत्कृष्ण विद्यालय

सहित दस कर्तृतया गांधी वालिका आवासीय विद्यालय, दो

झारखंड वालिका आवासीय विद्यालय एवं कर्णवती विद्यालय

विभिन्न विद्यालयों के लिए जायजा देना चाहिए। उसकी उड़ान नामक साइन्स

ओलीपियार्ड में भाग लेने के लिए इन विद्यालयों के लिए एक गांव से

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

साइन्स ओलीपियार्ड में भाग लेने के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।

उड़ान नामक साइन्स के लिए एक गांव से जायजा देना चाहिए।</

